Title: Need to retain leather industry in the list of Small Scale Industry category .

श्री रामजीलाल सुमन (फिरोजाबाद): महोदय, गत माहों में आयात के लिए नयी 714 वस्तुओं की खुली स्वीकृति देने के बाद देश के घरेलू उद्योग पर जो कुप्रभाव हुआ उसे सरकार ने मंत्री स्तर की एक निगरानी समिति का गठन कर स्वीकार कर लिया है। आयात से प्रतिबंध हटाने से भारतीय उद्योग को गहरा धक्का लगा है। इसके अतिरिक्त अभी सरकार कुछ वस्तुओं के निर्माण को लघु उद्योग के लिए आरक्षित सूची से बाहर निकालने की मंजूरी देने जा रही है और इन कुछ वस्तुओं में एक चमड़ा उत्पाद भी है। महोदय, आज लाखों करोड़ों परिवार इस उद्योग के माध्यम से रोजी-रोटी कमा रहे हैं। यदि सरकार ने चमड़ा उद्योग को आरक्षण सूची से बाहर निकाल दिया तो न केवल आगरा, कानपुर क्षेत्रों में वरन समूचे देश में फैले चमड़ा उद्योग में लगे परिवार भूखे मरने की हालत में आ जायेंगे। अतः मेरा अनुरोध है कि सरकार इस निर्णय पर नये सिरे से विचार करे और चमड़ा उद्योग को आरक्षित सूची में ही बनाए रखे।